सेवा में , **29.01.2024**

मा0 अध्यक्ष महोदय जी,
नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल,
प्रिंसिपल बेंच, नई दिल्ली

विषय : OA 511/2023 के सन्दर्भ में

महोदय जी ,

निवेदन यह है कि हस्तिनापुर पांडवान स्थित खसरा संख्या 806 जो कि जोत चकबंदी आकर पत्र में बूढी गंगा की जमीन है , उस पर से निर्माण कार्य रुकने का नाम नहीं ले रहा है जिला प्रशासन उक्त भूमि पर निर्माण कार्य रुकवाने में असमर्थ है। बड़ी बात तो यह है कि मा० ट्रिब्यूनल में उक्त निर्माण पर जिला प्रशासन मौन है।

महोदय जी कृपया कर बूढी गंगा के उक्त निर्माण को रुकवाने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद

एप्लिकेंट **संग्लग्न : उपरोक्तानुसार**

प्रियंक भारती
148/4 जाग्रति विहार, मेरठ
मोबाइल :09411823914

Annexure 1

सेवा में, 26.01.2024

उपजिलाधिकारी,

मवाना

विषय :- बूढ़ी गंगा के संदर्भ में।

महोदय,

महाभारतकालीन हस्तिनापुर स्थित बूढ़ी गंगा पर निरंतर निर्माण कार्य जारी है प्रशासन निर्माण कार्यो पर अंकुश लगाने में नाकामयाब है। बूढ़ी गंगा प्राचीन भारत के इतिहास की साक्षी है। बूढ़ी गंगा का इस कदर सिना छलनी करना कौन सा उचित है। आज दिनांक 26.01.24 मे इसी आशय से सत्याग्रह किया गया।

अतः आपसे प्रार्थना है कि तत्काल ही अवैध निर्माण को तत्काल रुकवा कर बूढ़ी गंगा का संरक्षण करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद

आपका

प्रियंक भारती
9411823914

Satish Chandra

Annexure 2

4 | दैनिक जनवाणी मेरठ, गुरुवार, 25 जनवरी 2024

मेरठ

| www.dainikjanwani.com |

हस्तिनापुर में आस्था पर भारी भूमाफियाओं की मनमानी

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

महाभारतकालीन बूढ़ी गंगा के असिस्तत्व के साथ हो रहे भद्दे मजाक पर नेचुरल साइंसेज ट्रस्ट अब आरपार की लड़ाई के मूड में है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रियंक भारती ने घोषणा की है कि शासन-प्रशासन की तंगदिली के खिलाफ 26 से बूढ़ी गंगा के अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से आमरण अनशन करेंगे।

नेचुरल साइंसेज ट्रस्ट पिछले काफी लम्बे समय से बूढ़ी गंगा को लेकर शासन, प्रशासन व भू माफियाओं के खिलाफ एक प्रकार जंग लड़ रहा है। आरोप है कि भूमाफिया बूढ़ी गंगा का सीना छलनी कर रहे हैं तो शासन और प्रशासन सहित पूरा सिस्टम मूक दर्शक बना बैठा है। प्रो. प्रियंक भारती का कहना है कि जब अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय बूढ़ी गंगा के अस्तित्व को बचाने के लिए एकजुट है तो फिर स्थानीय सरकार इसमें क्यों दिलचस्पी नहीं ले रही हैं। बकौल प्रियंक भारती एक ओर तो राम मन्दिर के रुप में राष्ट्र मन्दिर का भव्य निर्माण किया गया जबकि

बूढ़ी गंगा को बचाने की प्रयासों को लगा झटका

26 जनवरी से आमरण अनशन की चेतावनी

राष्ट्र प्रहरी मां बूढ़ी गंगा को अनाथ छोड़ दिया गया। अपनी हताशा व निराशा जग जाहिर करते हुए प्रियंक भारती ने शासन व प्रशासन को लिखा कि 'मैं परेशान हूं क्योंकि मैं नाकामयाब हो रहा हूं'। सोशल मीडिया पर अपनी पीढ़ा लिखते हुए वो आगे कहते हैं कि 'बूढ़ी गंगा पर हो रहे अतिक्रमण को न तो शासन रोक पा रहा है और न ही प्रशासन'। वो इससे आगे लिखते हैं कि 'भू माफियाओं के हौंसले बुलन्द हैं'। बकौल प्रियंक भारती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ तक से शिकायत की गई, लेकिन आज तक भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि आखिर एक भू माफिया के आगे पूरा सिस्टम मूकदर्शक क्यों बना बैठा है। उन्होंने घोषणा की कि अब खुद इसे बचाएंगे और इसकी शुरुआत वो 26 जनवरी से आमरण अनशन शुरु कर करेंगे।

इतिहास के चिह्न नहीं मिटने दूंगा: भारती

असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंक भारती का कहना है कि वो प्राचीन भारतीय इतिहास के साक्ष्यों को किसी भी हालत में मिटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि इसकी चाहे जो भी कीमत उन्हें वहन करनी पड़े, करेंगे। उन्होंने कहा कि बूढ़ी गंगा महाभारतकाल की याद है और हमारी धरोहर।